बाइबल में बपतिस्मा

''यीशु ने उनके पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुझ्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ: और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुझ्हारे संग हूं'' (मत्ती 28:18-20)।

बाइबल में, बपतिस्मे का विश्वास से इतना गहरा सम्बन्ध बताया गया है कि विश्वास से मिलने वाले सभी लाभ बपतिस्मे से ही जुड़े हुए लगते हैं। इस कारण, न तो बपतिस्मे को विश्वास से और न ही विश्वास को बपतिस्मे से अलग किया जा सकता है। मसीही बनने की प्रक्रिया के लिए एक के बिना दूसरे की चर्चा नहीं की जा सकती, और न ही एक के बिना दूसरे से मिलने वाली आशिषों को उद्धार से जोड़ा जा सकता है।

द न्यू जरूसलेम बाइबल में बपतिस्मे पर टिप्पणी इस प्रकार है:

> बपतिस्मा विश्वास से भिन्न नहीं बल्कि इसके साथ ही चलता है, ...पौलुस विश्वास और बपतिस्मे के प्रभाव को एक समान बताता है। ...पापी को पानी में डुबोया जाता है ...और इस तरह उसे मसीह के साथ ''गाड़ा'' जाता है, ...[देखिए गलातियों 3:26; कुलुस्सियों 2:12.][1]

बपतिस्मे और विश्वास में सम्बन्ध के कारण बाइबल के परिप्रेक्ष्य में सावधानीपूर्वक किए गए बपतिस्मे के अध्ययन से इसके महत्व की पुष्टि होती है।

मेरी प्रार्थना है कि यह अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति खुले मन और खुली पुस्तक अर्थात बाइबल के साथ इसमें भाग ले। तभी बपतिस्मे से सम्बन्धित बाइबल की शिक्षा का गहन अध्ययन और उस पर विचार किया जा सकेगा।

पाद टिप्पणी

[1]हैनरी वान्सब्रो, सामा. सं., द *न्यू जरूसलेम बाइबल* (न्यूयॉर्क: डबल डे, 1985), 1875, n6a.